IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जैव विविधता – भारत में जैवविविधता हॉटस्पॉट का विकास और सूची

प्रस्तुतकर्ताः– डॉ. रेणुका बोहरा

पदः – सहायक आचार्य

पद स्थानः – चौपासनी महाविद्यालय जोधपुर, (राजस्थान)

balgopalchopasni@gmail.com

विषय

परिचय

साराश

मापदंड

विकास, भारत का मानचित्र जैव विवधता

पूर्वी हिमालय

पश्चिमी घाट

भारत–बर्मा

सुंडालैंड

परिचयः– जैव विविधता

पृथ्वी पर विद्यमान समस्त पेड–पौधों, जीव–जन्तु, कीट–पतंगे, नभचर–जलचर जैव विविधता के अंग हैं साथ ही उनके समस्त आवास जैसे नदी, पहाड़, वन, खेत, तालाब जैव विविधता के अवयव हैं। हमारी धरती पर जीव जन्तु एवं वनस्पतियां सर्वत्र पायी जाती है इन्हें रंग रूप आकार–प्रकार एवं गुणधर्म के आधार पर अनेक वर्गों में विभाजित किया गया है। यदि सम्पूर्ण पृथ्वी को एक इकाई मान लिया जाये तो इस पर मौजूद सभी जीव जन्तुओं और वनस्पतियों की विविधता ही जैव विविधता है। संक्षेप में जैव विविधता प्रकृति की जैव सम्पदा और समृद्धि का सम्पूर्ण

स्वरूप है। मानव जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक खाद्य सुरक्षा, भोजन अथवा भोजन श्रृंखला की निरन्तरता और आवास, प्राणवायु, वस्त्र, जैविक खाद, घरेलू आवश्यकता की सामग्री और औषधियों की उपलब्धता के लिए जैव विविधता जरूरी है।

जीवन की विविधता का विस्तार ही जैव विविधता है। जीवन में विभिन्न प्रकार की वनस्पति, प्राणी और सूक्ष्म जीव तथा इनके आवास, प्राकृतिक क्षेत्र एवं प्राकृतिक वातावरण सम्मिलित है। विविधता में अनुवांशिक विविधता, प्रजातीय विविधता, कृषि जैव विविधता एवं पारितंत्र विविधता प्रमुख है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन. ई.पी.) द्वारा 1992 में जैव विविधता की परिभाषा करते कहा गया था जैव विविधता जीन प्रजातियां तथा पारितंत्रों का समस्त योग है। पहले जैव विविधता शब्द के स्थान पर प्राकृतिक विविधता शब्द का प्रयोग होता था। बाद में थोड़े दिनों तक जैविक विविधता शब्द का भी उपयोग हुआ। सन 1985–86 में पहली बार जैव विविधता शब्द प्रचलन में आया। जनसंचार की दृष्टि से जैव विविधता शब्द जैविक विविधता से अधिक बोधगम्य है। इसलिये यह शब्द शीघ्र ही सारी दुनियाँ में प्रचलित हो गया।

पृथ्वी पर लगभग 18 लाख जीव प्रजातियों की पहचान की गयी है। जो धरती की जैव विविधता को समृद्ध बनाती हैं। जैव विविधता के मायने इतने अधिक प्रयुक्त शब्द के लिए कोई एक आदर्श परिभाषा का न होना वाकई आश्चर्यजनक है। परन्तु शब्द के अर्थ से ही इसके मायने समझ में आ जाते हैं। आखिरकार सभी जानते हैं कि जैविक का अर्थ एक जीव जगत है और विविधता का शाब्दिक अर्थ है प्रकार। जीवित संसार की विविधतां समझा जा सकता है।

जैव विविधता हॉटस्पॉट ऐसे क्षेत्र हैं जो स्थानिक प्रजातियों से समृद्ध हैं और अपनी जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण खतरों का सामना कर रहे हैं। ये क्षेत्र वैश्विक संरक्षण प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनमें जीवन रूपों की अनूठी विविधता है और उन्हें संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता है। हॉटस्पॉट को समझना भी आवश्यक है क्योंकि ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का ज्ञान जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता की व्यापक समझ में योगदान देता है ,इसके अतिरिक्त यह ज्ञान भूगोल और भारतीय राजनीति और शासन अनुभागों के विषयों के लिए प्रासंगिक हो सकता है, जहाँ पर्यावरण नीतियाँ और भौगोलिक वितरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सारांशः– जैव विविधता हॉटस्पॉट – एक जैवभौगोलिक क्षेत्र है जो जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण भंडार है और विनाश के खतरे में है। ब्रिटिश पारिस्थितिकीविद् नॉर्मन मायर्स ने 1988 में इस शब्द को गढ़ा था।

- जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में योग्यता के लिए मानदंड जैवविविधता हॉटस्पॉट के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए, किसी क्षेत्र को:
- इसमें स्थानिक संवहनी पौधों की कम से कम 1,500 प्रजातियां शामिल हैं।
- इसकी मूल प्राकृतिक वनस्पति का कम से कम 70: हिस्सा नष्ट हो चुका है।
- यह कठोर मानदंड यह सुनिश्चित करता है कि फोकस असाधारण स्थानिकता और गंभीर आवास क्षति वाले क्षेत्रों पर बना रहे, जिससे संरक्षण कार्यों की तत्काल आवश्यकता बढ़ जाती है।

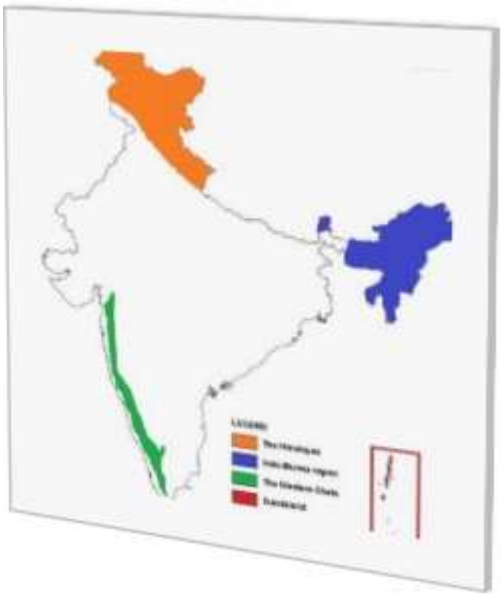

जैवविविधता हॉटस्पॉट का विकास

जैवविविधता हॉटस्पॉट की अवधारणा उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता से उभरी है जो संरक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। नॉर्मन मायर्स ने 1988 में शुरू में 10 उष्णकटिबंधीय वन हॉटस्पॉट की पहचान की थी। समय के साथ, संरक्षण वैज्ञानिकों ने सूची को वैश्विक स्तर पर 25 और बाद में 36 जैवविविधता हॉटस्पॉट तक विस्तारित किया, जिसमें अद्यतन वैज्ञानिक डेटा और वन्यजीव संरक्षण की तत्काल आवश्यकता के आधार पर क्षेत्रों की पहचान की गई।

- ✓
- ✓ भारत में जैव विविधता हॉटस्पॉट की सूची
- ✓ भारत में चार महत्वपूर्ण जैव विविधता हॉटस्पॉट हैं, जिनमें से प्रत्येक में अद्वि तीय पारिस्थितिकी तंत्र और समृद्ध जैव विविधता है।
- ✓ पूर्वी हिमालय
- ✓ इसमें भूटान, पूर्वोत्तर भारतीय राज्य तथा नेपाल के दक्षिणी, मध्य और पूर्वी भाग शामिल हैं।
- ✓ आवास में उष्णकटिबंधीय वर्षावन और अल्पाइन घास के मैदान शामिल हैं।
- ✓ वनस्पति और जीव–जंतुओं से समृद्ध, यहाँ लाल पांडा और हिमालयन न्यूट जैसी कई स्थानिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- ✓ पश्चिमी घाट और श्रीलंका
- ✓ यह गुजरात से केरल तक, भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमी तट के साथ–साथ श्रीलंका तक फैला हुआ है।
- ✓ यह अपने पर्वतीय वर्षावनों और पर्णपाती वनों के लिए जाना जाता है।

- ✓ यह स्थान नीलगिरि तहर, शेर–पूंछ वाले मकाक और कई उभयचरों जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों का निवास स्थान है।
- ✓ भारत–बर्मा
- ✓ इसमें पूर्वोत्तर भारत, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैंड और दक्षिणी चीन के कुछ हिस्से शामिल हैं।
- ✓ इसमें मैंग्रोव वनों से लेकर मिश्रित पर्णपाती वनों तक विभिन्न प्रकार के आवास शामिल हैं।
- ✓ उल्लेखनीय प्रजातियों में एशियाई हाथी, इंडोचाइनीज बाघ और अनेक ऑर्किड शामिल हैं।
- ✓ सुंडालैंड
- ✓ इसमें भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ–साथ इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड और बरुनेई भी शामिल हैं।
- ✓ उष्णकटिबंधीय वर्षावनों और मैंग्रोव से समृद्ध।
- ✓ प्रमुख प्रजातियों में सुमात्रा गैंडा और बोर्नियन ओरांगुटान शामिल हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- पर्यावरण और विकास सुन्दरलाल बहुगुणा।
- जैव भूगोल एवं जैव विविधता – डॉ. रतन जोषी अध्यक्ष, स्नातकोर भूगोल विभाग राज. महा. भीलवाड़ा, (राज.)
- जैव विविधता एवं सरक्षण – प्रमोद कुमार, देवेन्द्र कुमार – राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
- षिव कुमार ओझा – सामान्य अध्ययन विषेषांक पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण 2019–20 प्रयागराज
- संजीव कुमार – सामान्य अध्ययन – 2019– 20 बिहार ।